जल्दी करो एंड्र्यू



बारबरा शुक हेजन

हिंदी: छाया भदौरिया

जल्दी करो एंड्रयू





जल्दी करो एंड्र्यू

बारबरा शुक हेजन

हिंदी: छाया भदौरिया



एक दिन एंड्रयू की माँ बहुत जल्दी में थीं। उन्हें देर हो रही थी। शाम ढलने को थी। सुपर मार्ट दुकान बंद होने वाली थी और घर में खाने के लिए कुछ भी नहीं था। उन्होंने एंड्रयू को आवाज़ लगाई, "जल्दी करो एंड्रयू" और उसने वही किया।

माँ: हमें देर हो रही है।

एंड्रयू: मैं देर नहीं होने दूँगा। मैं जल्दी कर रहा हूँ।

उसने सही में जल्दी की और फिर वो छपाक से एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच से कूदकर निकला...





माँ: एंड्रयू, तुम क्या कर रहे हो?

एंड्रयू: जैसा आपने कहा।

.. जिससे कीचड़ के बड़े-बड़े छींटों ने उसकी माँ के सबसे सुंदर कोट जिस पर डेजी के सुंदर फूल बने हुए थे, को गंदा कर दिया। अब उस पर एक भी फूल नज़र नहीं आ रहा था।

माँ: आज ही तो मैंने इसे लॉन्ड्री से मगाया था।

एंड्रयू: मुझे माफ़ कर दो माँ।





एंड्रू ने सही में जल्दी की और फिर वो एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच कूदकर ऐसे छपाक लगाकर निकला कि कीचड़ के बड़े-बड़े छींटों ने सब्ज़ी बेचने वाले पर भी प्रहार किया। उससे शलजम, मूली और सात किस्म की अंकुरित फलियों पर भूरे रंग का एक लेप जैसा लग गया।

सब्ज़ी बेचने वाला: जिसने वो किया है,
उसे इसकी कीमत तो चुकानी ही पड़ी।



एंड्र्यू ने सही में जल्दी की और वो एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच ऐसे छपाक से कूदकर निकला कि वहाँ हड़ताल के लिए पोस्टर लेकर खड़े हुए सफ़ाई कर्मचारियों के एक समूह पर कीचड़ की बौछार पड़ी जिससे पोस्टरों की स्याही फैल गई।

यूनियन नेता: अब सिटी हॉल हम पर कीचड़ उछाल रहा है।





एंड्रयू ने सही में जल्दी की और वो एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच ऐसे छपाक से कूदकर निकला कि उस समय लास्ट नेशनल बैंक में दिन-दहाड़े चल रही डकैती के दौरान कीचड़ का एक बड़ा-सा गोला सीधे ग्रेनाइट के खंभो के बीच और टेलर की खिड़की के पीछे से होते हुए ऐसे टपका कि उसने एक नकाबपोश डकैत के हाथ से रबर की बंदूक को गिरा दिया।

डकैत: गोली मत चलाना। मैं आत्मसमर्पण करता हूँ।





एंड्रयू ने सही में जल्दी की और वो एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच ऐसे छपाक से कूदकर निकला कि कीचड़ के छींटे किसी मिसाइल की तरह चौथी मंजिल पर स्थित डेली ग्राइंड प्रेस की खुली खिड़कियों में घुस गए और उन्होंने दोपहर के संस्करण को एकदम बर्बाद कर दिया, जो कि अभी-अभी प्रेस से छपकर बाहर आया था।



संपादक: प्रेस को बंद करो।

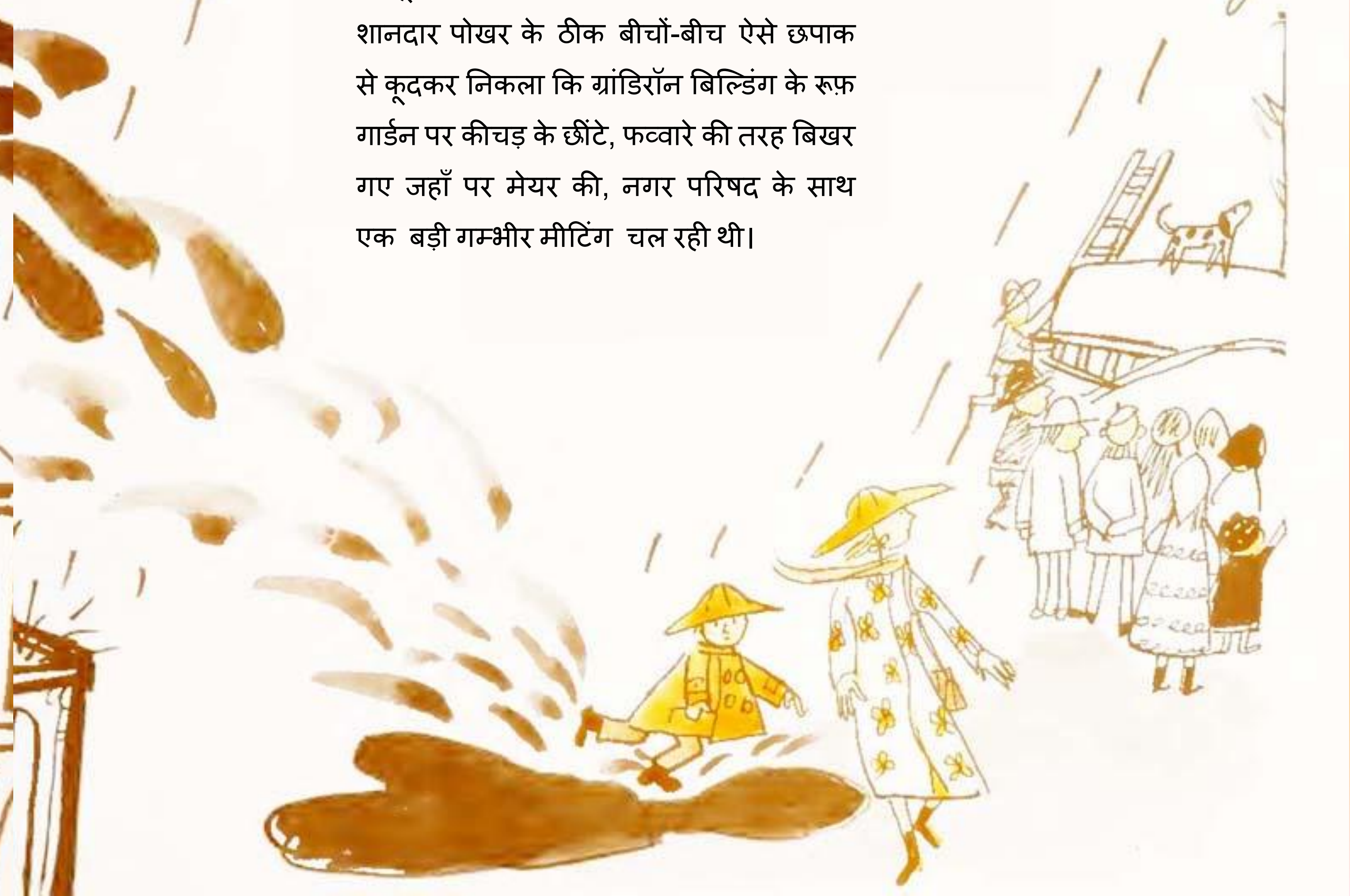
पत्रकार: प्रेस तो बंद हो चुकी, मूर्ख!



मेयर: अरे, तुम्हारी आँखों में कीचड़!

पार्षद: ये मेयर की एक और नयी चाल है।

एंड्रयू ने सही में जल्दी की और वो एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच ऐसे छपाक से कूदकर निकला कि ग्रांडिरॉन बिल्डिंग के रूफ़ गार्डन पर कीचड़ के छींटे, फव्वारे की तरह बिखर गए जहाँ पर मेयर की, नगर परिषद के साथ एक बड़ी गम्भीर मीटिंग चल रही थी।





तभी उसके ठीक बगल में एक कलाकार की मचान में आग लगी हुई थी जो कि अब नियंत्रण से बाहर हो रही थी। फायरमैन के पास केवल एक पुरानी जर्जर-सी सीढ़ी थी जिससे वे आग बुझाने में असमर्थ थे क्योंकि नगर परिषद ने नये आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए धन ही नहीं दिया था। उस कारण नगर परिषद, मेयर से नाराज़ था क्योंकि मेयर ने सफ़ाई कर्मचारियों की हड़ताल को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया था।





एंड्रयू ने सही में जल्दी की और वो एक शानदार पोखर के ठीक बीचों-बीच ऐसे छपाक से कूदकर निकला कि सौभाग्य से कीचड़ के उस फव्वारे की ताकत ने, आग की लपटों को पूरी तरह से बुझा दिया।





फिर सब्ज़ीवाले ने अपनी शलजम और मूलियों को साफ़ किया और मेयर भी अपनी जान बचाने में सफ़ल हुआ,

भागते हुए डकैत को जेल में डाल दिया गया, पार्षदों ने अपना निर्णय बदल दिया, सफ़ाई कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली और काम पर वापस आ गए, कलाकार ने आग से प्रभावित अपनी कलाकृतियों की सेल लगा दी





कर्मचारी: अपने कस्बे को साफ़ रखना हमारा कर्तव्य है।

कर्मचारी: इस डंप को साफ़ करने की क्या ज़रूरत है।

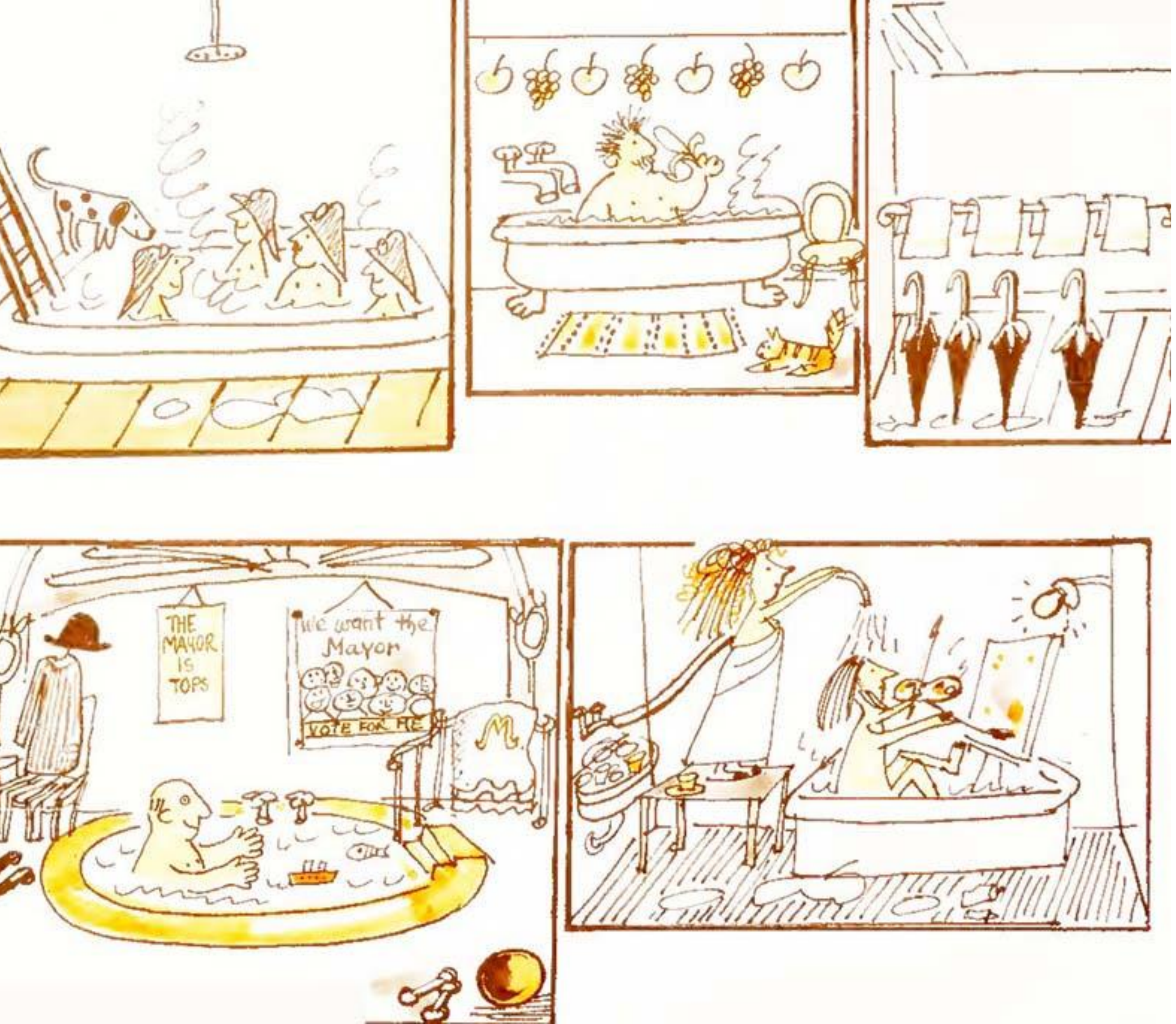


संपादक: क्या कहानी है!

कर्मचारी: कितनी गड़बड़ है।

फिर अखबार के प्रधान संपादक ने शाम के संस्करण की मुख्य खबर बदल दी।

इस सब के बाद सुपर मार्ट बंद हो गया।

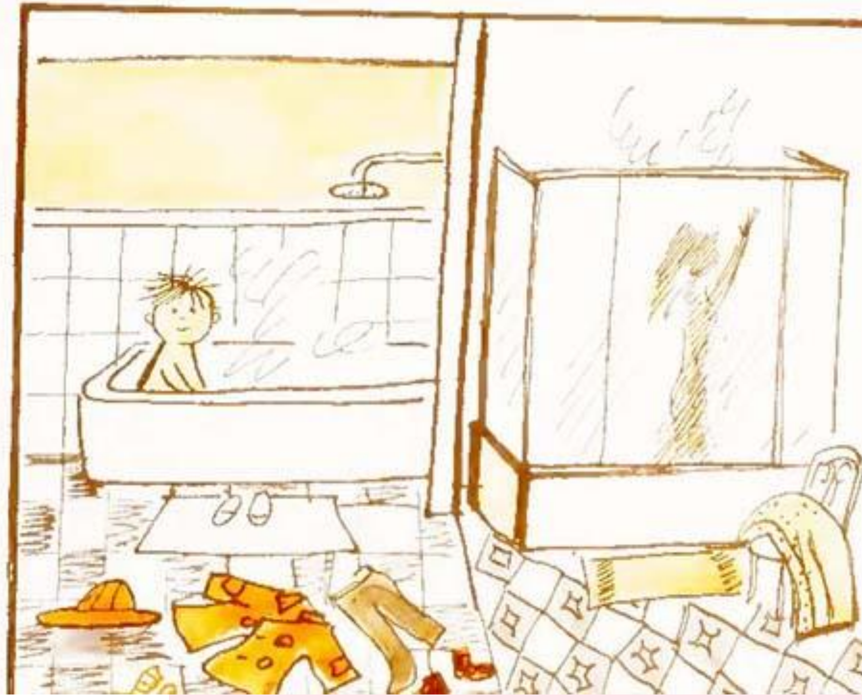




तो अब केवल सफ़ाई कर्मचारियों को छोड़कर सभी लोग अपने-अपने घर गए और उन्होंने अच्छे गरम पानी में बैठकर स्नान किया क्योंकि उन्हें एंड्रूय के सम्मान में आयोजित एक शानदार भोज में जाना था।

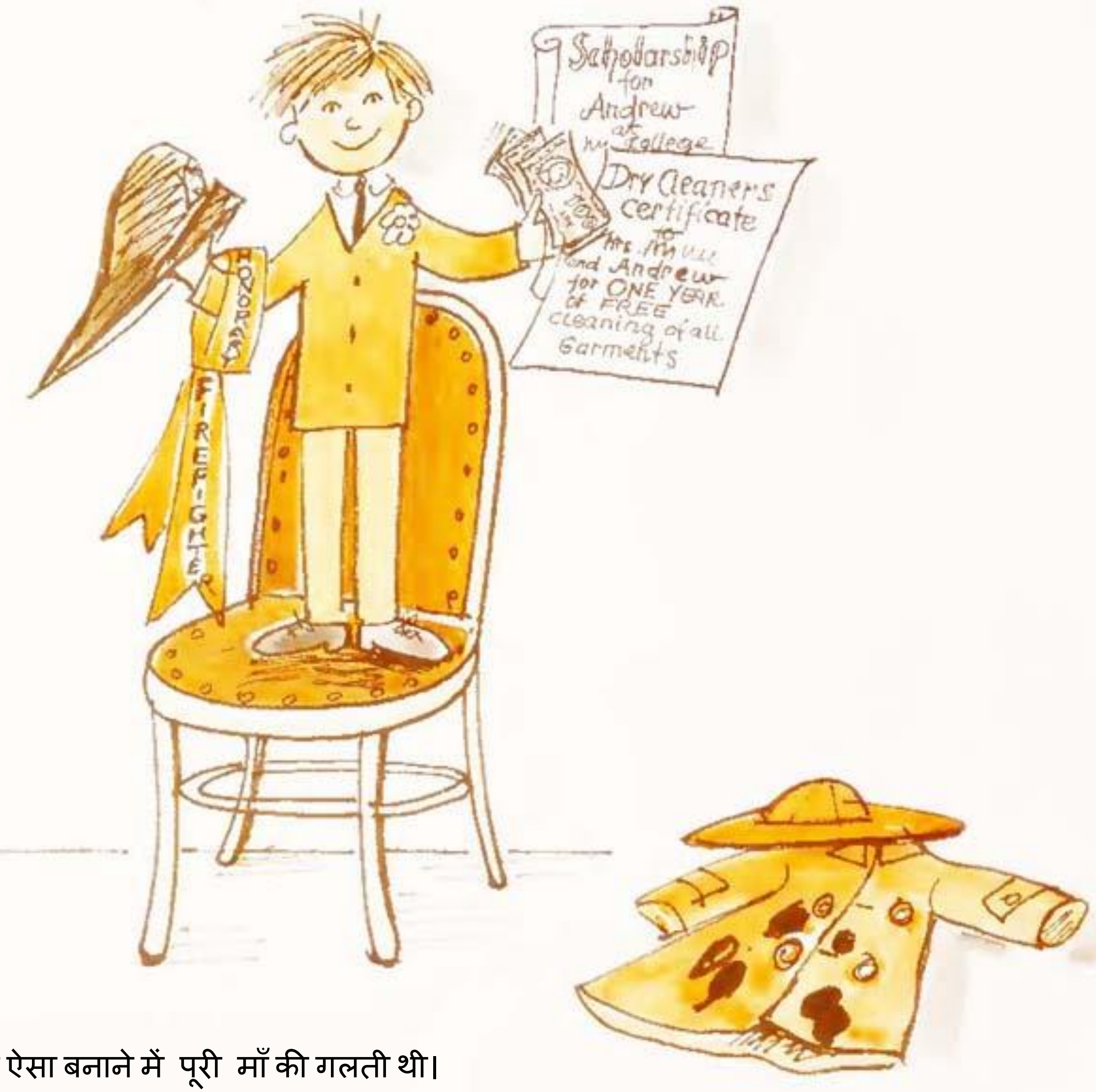


एंड्रू: अहा-अहा!



एंड्र्यू एक होशियार लड़का था और उसने वही किया जो उससे कहा गया था।





मुझे ऐसा बनाने में पूरी माँ की गलती थी।